हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, सोमवार 17 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

गजेन्द्र जल चैम्पियन रेफरल कैंपेन में शीर्ष पंद्रह में 107 लोगों को बनाया जल चैम्पियन

मण्डला। नगर के गजेन्द्र गुप्ता वाटर एड इंडिया के जल चैम्पियन रेफरल कैंपेन में विजयी हुए हैं।वाटर एड इंडिया ने राष्ट्रीय स्तर पर जल, स्वच्छता और आरोग्य पर कार्य कर रहे दस हजार लोगों को जल चैम्पियन बनाने के लिए जल चैम्पियन रेफरल कैंपेन चलाया था। गजेन्द्र इस राष्ट्रीय कैंपेन में शीर्ष पंद्रह में रहे।वाटर एड इंडिया ने गजेन्द्र को प्रमाण पत्र और किट देकर पुरस्कृत किया।गजेन्द्र ने 107 लोगों को जल चैम्पियन के रूप में पंजीकृत किया है।पंजीकरण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को वॉटरएड इंडिया ने 'भागीदारी का डिजिटल बैज' प्रदान किया है। विदित हो कि,जल, स्वच्छता और आरोग्य को बढ़ावा देने के प्रतिबद्धता के कारण गजेन्द्र वाटर एड इंडिया में नेशनल वाटर चैम्पियन के रूप में ऑनबोर्ड हैं। गजेन्द्र वाटर एड इंडिया के नेशनल कंसोर्टियम का हिस्सा हैं जो भारत के ग्यारह राज्यों में जल, स्वच्छता और आरोग्य पर कार्य कर रहे लोगों को कंसोर्टियम में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। गजेन्द्र तीन दशक से नर्मदा एवं उसके सहायक और सह-सहायक नदियों के संरक्षण के लिए नर्मदा त्रिवेणी संगम सामाजिक एवं धार्मिक विकास समिति, परम्परागत,जड़ी-बूटी एवं वैकल्पिक चिकित्सा विकास परिषद एवं अनुसंधान केन्द्र, नेहरु युवा केन्द्र, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और नर्मदा समग्र के साथ मिलकर निरंतर कार्य कर रहे हैं। वॉटरएड इंडिया सभी के लिए स्वच्छ जल,अच्छे शौचालय और अच्छी स्वच्छता तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वाटरएड समुदाय रणनीति का उद्देश्य विशेषज्ञों का एक समूह बनाना है, जिसे ₹जल चैंपियंस₹ कहा जाता है।

जमकर बरसा रंग-गुलाल, मस्ती में झूमे हुरियारे

जमी फाग की महफिल, उल्लास से मनी होली

*** तिलक लगाकर की दीर्घायु होने की कामना।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले भर में होली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। रंग के त्यौहार पर खूब जमकर रंग, गुलाल उड़े। बच्चों, युवा, बड़ों ओर बुजूर्गो में उत्साह तो देखा गया। होली के रंग में युवाओं की टोली सुबह से निकली और मोहल्ले-मोहल्ले जाकर गुलाल से पूरे माहौल को सतरंगी कर दिया। युवक टोलियां बनाकर एक-दूसरे के घरों में जाकर रंग लगाते नजर आए। वही जगह-जगह युवकों ने ढोल, बाजे की धुनों पर नाच गाकर होली का पर्व पहले और दूसरे दिन मनाया। यह सिलसिला देर शाम तक जारी है।

फाग पर रंगों की खुमारी हर वर्ग पर चढ़ी रही। युवा क्या, बच्चे और महिलाओं ने भी टोलियां बनाकर जमकर धमाल मचाया। रंग-बिरंगे गुलाल व रंगों से हर कोई सराबोर दिखाई दिया। सभी ने जमकर होली का लुत्फ उठाया और इस दिन की शुभकामनाएं दीं।

होली के दूसरे दिन निकलते ही बच्चे रंग भरे गुब्बारे लेकर सड़कों पर निकल पड़े। जो भी आता उस पर गुब्बार फोड़ देते। वहीं परिवार के युवा व बड़ों ने बुजुर्गो को गुलाल व रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और शुभाशीष लिया। महिलाओं ने पहले घरों में पकवान बनाए और पूजा अर्चना की। इसके बाद युवा वर्ग, महिला वर्ग अलग-अलग टोलियां बनाकर घरों से निकले। पहले आस-पड़ोस फिर मंदिर या फिर अपने इष्टजनों के यहां पहुंचकर निर्धारित स्थानों पर एकत्र होकर जमकर एक दूसरे को गुलाल और रंग लगाया। वहीं तमाम युवा रंगों में सराबोर होते हुए बाइकों पर सवार होकर निकले। कई स्थानों पर महिलाओं व युवाओं ने अपनी टोलियां बनाकर रंग लगाए और जगह-जगह डीजे की धुनों पर जमकर डांस किया। हर ओर रंग बरसता दिखाई दिया। रंग बिरंगे रंगों से सराबोर हर कोई होली में मदमस्त दिखाई दिया।

हर घर में सजा व्यंजन

पुरानी कहावत है कि होली पर दुश्मन भी गले लग जाते हैं। हर साल होली पर ऐसा ही होता है। यही कारण है कि होली पर घर आने वाले आगंतुकों के लिए गुझिया से लेकर तमाम तरह के पकवान बनाए जाते हैं। इस होली पर भी यही हुआ। शायद ही ऐसा कोई घर रहा हो जहां गुझिया, मठरी, नमकीन, दही बड़ा, मिठाईयां आदि न बनाए हों और जिसका हुरियारों ने इसका खूब लाभ उठाया।

भेजे बधाई संदेश

होली के त्योहार पर सोशल मीडिया में बधाई, शुभकामनाएओं का दौर दिन भर चलता रहा। लोग अपने दोस्त, रिश्तेदारों, जान पहचान वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई संदेश भेजे।

भैया दूज मनाया

होली के दूसरे दिन भैया-दूज पर्व मनाया गया। बहनों ने भाईयों के माथे पर मंगल तिलक लगाकर उनके दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने इस मौके पर बहनों को उपहार भी दिए। मंदिरों में विशेष आयोजन भी हुए।

रंग की अपेक्षा गुलाल बना लोगों की पसंद

होली पर्व में लोग अब रंगों की अपेक्षा गुलाल का उपयोग ज्यादा करने लगे है, आमजन अब जागरूक हो रहे है कि पानी की हर बूंद कितनी अनमोल है। पानी के रंगों से परहेज करते हुए अधिकांश लोगों ने गुलाल की सूखी होली खेलना अधिक पसंद किया। जिसके चलते कुछ स्थानों को छोड़कर गली, मुहल्लों और घरों में केवल अबीर-गुलाल की होली खेली गई। जिसके चलते पानी के बचत के साथ-साथ केमिकल युक्त रंगों से शरीर पर होने वाले विपरीत प्रभाव से बचने के लिए लोगो ने अधिक प्रयास किए। गुलाल से होली खेल रहे युवक रोहित चौकसे का कहना था कि केमिकल युक्त रंगों से होली खेलने के बाद काफी समय उसे चेहरे से हटाने में लगता है और गुलाल से होली खेलने पर चेहरा भी खराब नहीं होता है साथ ही गुलाल से उड़ती सुगंध भी मन को अच्छी लगती है।

हजारों कंडों से किया गया वैदिक होलिका दहन

होलिका दहन की पावन बेला पर तहसील चौराहा मंडला में एक बार फिर अनोखी परंपरा देखने को मिली, जहां हजारों कंडों से वैदिक रीति से होलिका दहन किया गया। यह अनूठी परंपरा वर्ष 2016 से लगातार चली आ रही है और इस बार भी इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग उमड़े।

जैसे ही होलिका दहन की तैयारियां पूरी हुईं, वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच अग्नि प्रज्वलित की गई। हजारों कंडों से दहन होते ही श्रद्धालुओं में उत्साह बढ़ गया और चारों ओर भक्तिमय माहौल बन गया। इस विशेष आयोजन में धार्मिक अनुष्ठान का विशेष ध्यान रखा गया, जिसमें पुरोहितों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना की गई। अग्नि प्रज्वलन के दौरान भक्तों ने सुख-समृद्धि और बुरी शक्तियों के विनाश के लिए प्रार्थना की।

इस अनूठी परंपरा को देखने के लिए आसपास के गांवों और शहरों से भी लोग पहुंचे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि यह केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक संदेश है कि वैदिक रीति से किए गए अनुष्ठान सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और समाज में सुख-शांति बनाए रखते हैं।

इस आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन का भी विशेष योगदान रहा। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा, जिससे कार्यक्रम में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। नगर परिषद और अन्य संबंधित विभागों ने भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस अनोखी परंपरा को लेकर नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा गया। लोगों का मानना है कि इस प्रकार का आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करता है, बल्कि समाज में एकजुटता और संस्कृति के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है।

हर साल की तरह इस बार भी यह आयोजन बेहद सफल रहा, और लोगों ने मंगलमय भविष्य की कामना के साथ होलिका दहन की इस अनोखी परंपरा का आनंद लिया।

आरोप-प्रत्यारोप | **कलेक्टर और एसपी पर गोंगपा ने लगाये गंभीर आरोप।**

नक्सलियों की आड़ में आदिवासियों पर कहर

*** आर-पार की लड़ाई लड़ने का संकल्प।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

10 मार्च को पुलिस और नक्सली मुठभेंड के संबंध में पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन संजय कुमार ने पत्रकारवार्ता का आयोजन किया था यह वार्ता खटिया के पुलिस मेस में आयोजित की गई थी जहां पर महानिरीक्षक ने बताया कि थाना खटिया क्षेत्र अंतर्गत कान्हा नेशनल पार्क क्षेत्र में कान्हा भोरम देव डिविजन के नक्सलियों के समूह की सूचना पर 8 मार्च को क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन किया गया था। इस दौरान हॉकफोर्स बल और नक्सलियों के बीच गोलीबारी हुई जिसमें नक्सल दल में से एक पुरूष मृत हुआ जिसके पास से 315 बोर हथियार भी जप्त हुआ है। नक्सलियों की ओर से 125 राउंड गोली चली तो वहीं पुलिस की ओर से 80 राउंड गोली चलाई गई। वहीं नक्सल समर्थक दो व्यक्ति अशोक कुमार वल्को निवासी बंटवार, संतोष कुमार निवासी सौतिया को गिरफ्तार भी किया है जिनसे पूछताछ जारी होने की बात कहीं थी। इस घटना को लेकर पुलिस ने तमाम कहानी मीडिया को बताई और बड़े ही सदे शब्दों में इस घटना क्रम को बताते हुए जमकर वाहवाही लूटी। पुलिस ने यह भी कहा कि अभी भी सर्च अभियान जारी है। लेकिन बीते दिनो जब इस मामले का पूरा खुलासा हुआ तो पुलिस के होश उड़ गए पुलिस जिसे नक्सली बता रही थी वह स्थानीय गांव का निवासी निकला जिसकी पहचान होने के बाद पूरा मामला उलट पड़ा और यह मामला भोपाल से लेकर दिल्ली तक चर्चा में आ गया। सूत्र यह भी कह रहे है कि इस मामले में बड़ा फेरबदल भी समय आने पर दिखाई देगा। इसी के साथ तमाम जनप्रतिनिधि इस मामले को लेकर सक्रिय हो गए हैं तो दूसरी तरफ गोंडवाना गणतंत्र पार्टी इस मामले को लेकर अब आर पार की लड़ाई में दिखाई देने लगी है बीते दिनों गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम ने पत्रकारवार्ता बुलाई यहां पर उन्होंने सरकार को आडे हाथ लेते हुए जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि यह यहां नक्सलियों की आड़ पर आदिवासियों का सफाया किया जा रहा है। लेकिन वे अब शांत नही रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले को वे उच्च न्यायालय भी लेकर जायेंगे। बताया जा रहा है कि 8 मार्च को कान्हा नेशनल पार्क में नक्सलियों व सुरक्षा बल के बीच मुठभेड़ हुई थी। जिसमें एक की मौत व दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। मरने वाले के पहचान के काफी प्रयास के बाद हुई। जिसके परिजनों ने बम्हनीबंजर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर पहचान की। पुलिस ने शव का पीएम कराया और घर तक छोडक़र आए। इस दौरान परिजनों का विरोध भी देखने को मिला। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान मोचा के समीपी ग्राम नारंगी निवासी हीरन बैगा के रूप में हुई। मृतक की पत्नी और भतीजे ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि हीरन सिंह घर से केवल कुल्हाड़ी और पानी की बोतल लेकर निकले थे। परिजनों ने फर्जी एनकाउंटर बताते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि सुरक्षा बल की मुठभेड़ में एक की मौत के साथ ही दो व्यक्ति अशोक कुमार वल्को निवासी बंटवार, संतोष कुमार निवासी सौतिया को गिरफ्तार किया गया था। दोनो के वन विभाग में अस्थाई कर्मचारी के रूप में कार्य करने की बात सामने आई है। मृतक सहित तीनों कान्हा के आसपास गांव के ही है। मृतक के शव को लेकर जब पुलिस कर्मी गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार करने को तैयार नहीं थे। ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस ने हीरन सिंह की हत्या की है। हालांकि बाद में अंतिम संस्कार कर दिया गया है। मामले में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा का कहना है कि मृतक व गिफ्तार किए गए व्यक्ति जिले के ही हैं। माना की ये महाराष्ट्र या छत्तीसगढ़ के नहीं है। लेकिन नक्सली या नक्सली समर्थक हैं। मामले की मजिस्ट्रियल जांच की जाएगी। मृतक की पत्नी का कहना है कि मेरी पति की हत्या हुई है, किसने गोली से मार दिया यह बात और आरोप अस्पताल में कहने व लगाने वाली पत्नि का अब आखिर शांत क्यों हो गई है। परिवार को प्रशासन से बैगा आदिवासी की मौत का मरहम लगाने का वायदा कर दिया है यही कारण से अब मृतक परिवार शांत हो गया है लेकिन बैगा समाज के मुखिया सोन सिंह बैगा अब आर-पार की लड़ाई लडऩे के मूड में है। वहीं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजिनियर कमलेश तेकाम तो बैगा आदिवासी की मृत्यू के मामले में सडक़ से लेकर न्यायालय की चौखट तक का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे है। जिले के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को हटाने के साथ ही गोंगपा प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम ने न्यायायिक जांच में सत्ता से जुड़े हुये आदिवासी जनप्रतिनिधियों को छोडक़र विपक्ष के आदिवासी जनप्रतिनिधियों व आदिवासी समाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल करने की मांग की है। बिछिया विधानसभा क्षेत्र में हुई बैगा जनजाति सदस्य की मृत्यू की घटना के बाद और मृतक के अंतिम संस्कार के बाद लसरी टोला गांव में राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधियों का हुजुम लग रहा है। मृतक परिवार के सदस्यों में उनके भाईयों का कहना है कि हमने जंगल में जन्म लिये है और जल, जंगल, जमीन ही हमारा जीवन है। एक भाई जो कि रिसोर्ट में काम करता है उनका कहना है कि जिस दिन घटना हुई उस दिन मैं ड्यूटी में था। हमारे भाई बीते दिनों घर से कहीं चले गये थे जिसकी हमने गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी वहीं मृतक के एक ओर भाई नन्हें सिंह बैगा का कहना है कि हमारे भाई मजदूरी का कार्य करते थे। वहीं झाडू बनाने का काम भी कभी कभी करते थे। वे बीते रविवार से गायब थे। घर नहीं आने पर हमने सोमवार को उनको ढूढने गये थे। हमने बुधवार के दिन गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराये थे। जिस तरह से पुलिस बता रही है कि नक्सली व पुलिस की फायरिंग के बीच में आने से हमारे भाई की गोली लगने से मृत्यू हो गई है। यदि हम भी ढूढने के दौरान या और कोई भी बीच में या सामने आता तो पुलिस उन्हें भी गोली से मार देते है। पुलिस हमारे घर में आई थी कागजों में दस्तखत करने के लिये बोल रहे थे। हमारे भाई की पुलिस की गोली से मृत्यू हुई है हमें इंसाफ चाहिये।

पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची केबिनेट मंत्री श्रीमति उइके

मण्डला। कान्हा क्षेत्र में हुये एन्काउंटर का मामला प्रशासन के लिये गले की फांस बनता जा रहा है एक ओर जहां बैगा समाज, विपक्ष में बैठी कांग्रेस और अब गौंड़वाना गणतंत्र पार्टी प्रशासन को घेरते हुये उसका बैगा जनजाति के युवक की हत्या के आरोप लगा रही है यही कारण है कि अब सरकार ने भी इसे गंभीरता से लेते हुये इस पूरे मामले को संयमित करने का प्रयास प्रारंभ कर दिया है और इसी कड़ी में कल मण्डला विधायिका एवं प्रदेश की केबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके पीड़ित परिवार के बीच खटिया नारंगी पहुंची और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुये परिजनों को ढाढस बनाया तथा घटना की निष्पक्ष जांच हेतु उन्हें आसश्वत किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज परिषद में जलकर खाक तीन मोटरसाइकिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में के परिसर के अंदर खड़ी मोटरसाइकिल जलकर खाक हो गई यह मोटरसाइकिल स्टाफ के लोगों की थी परिसर की सुरक्षा की पोल खोलती जली हुई मोटरसाइकिल जो यह बयान करती हैं की सुरक्षा एवं अस्पताल परिसर में जिन लोगों की रात्रि कालीन ड्यूटी थी उन लोगों की लापरवाही यह कह सकते हैं की परिसर के अंदर किन लोगों के द्वारा लगाई गई आग के कारण तीन मोटरसाइकिल जलकर राख हो गई जबकि यहां पर 24 घंटे मैरिज रहते हैं परिसर के अंदर इस तरह की घटना यह बताती है कि अगर समय रहते हुए ध्यान दिया गया होता तो यह घटना नहीं घटती परिसर के अंदर घुसकर असामाजिक तत्वों द्वार मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया जाता है परंतु वहां रह रहे कर्मचारियों को जरा भी भनक नहीं लग पाती जिस जगह मोटरसाइकिल खड़ी हुई थी उसके आस-पास अस्पताल ऑफिस रहे और आसपास कई सरकारी वाहन खड़े हुए थे बड़ी घटना घट सकती थी परंतु इस तरह की लापरवाही की जांच होना जरूरी है जहां पर कई बार शिकायत आई है कि अस्पताल परिसर के आसपास सामाजिक तत्वों का डेरा एवं शराब खोरी होती है जिस पर आज तक कोई कार्रवाई न होने के कारण वहां अस्पताल में इलाज कर रहे मरीज को अपने आप को असुरक्षित समझ रहे हैं इस घटना से चारों तरफ निंदा हो रही है की परिसर के अंदर जाकर कोई आधी रात को आग लगाकर चला जाता है कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं है यह घटना शुक्रवार की रात की है इसकी रिपोर्ट थाना टिकरिया में की गई परंतु अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया अतः संबंधित अधिकारियों से निवेदन है कि तत्काल शीघ्र ही उन सामाजिक तत्वों को पकड़ा जाए जिससे मरीज का भय दूर हो सके।

खबर संक्षेप

उपकार करो अपकार नहीं- मुनि श्री

गाडरवारा। स्थानीय चावड़ी वार्ड स्थित जैन मंदिर के वीर विद्या नीलय में आस्तिक सागर महाराज ने कहा कि इस संसार में यदि जीना है तो सब का उपकार करते चलो। यह बात जैन गीता में कहां है कि एक जीव को दूसरे जीव के प्रति उपकार करते रहना चाहिए। हमारी वाणी ऐसी होनी चाहिए कि किसी भी जीव को दुख न पहुंचे। यदि हमारे मुख से कड़वे शब्द निकाल जावे तो हमें आत्मग्लानि करनी चाहिए वा उस जीव के पास जाकर क्षमा याचना करनी चाहिए। जैन धर्म अहिंसा प्रधान धर्म है हिंसा को पहला पाप कहा गया है। हिंसा दो प्रकार की होती है एक द्रव्य हिंसा और दूसरी भाव हिंसा। किसी जीव के प्रति बुरा नहीं सोचे और अंतरंग से भी उसके प्राण का घात हो जाए ऐसा कभी भी नहीं सोचना। उसके प्राणों का घात तो नहीं होता। लेकिन हमारे विशुद्ध परिणाम का घात हो जाता है यूं कहें तो हमारे द्वारा हमारे ही आत्महत्या होती है तीव्र कषाय के उदय से चारित्र मोहिनी कर्म का आश्रव होता है और यदि उसे समय आयु कर्म आ गया तो दुर्गति भी हो सकती है । जीवन में प्रयास करो की इच्छाएं कम रहे सभी के प्रति साम्यभाव बना रहे खुश रहे और खुश रखें। इस मौके पर बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

रमजान में रोजा रखकर की जा रही इबादत, जुमा की नमाज में वतन की खुशहाली तरक्की के लिए मांगी दुआएं

गाडरवारा। मुस्लिम समुदाय का रहमत व बरकत का रमजान मुबारक महीना चल रहा हे । इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान में रोजा रखकर इबादत में जुटे रहकर तिलावत में लगे हुए है । जुमा के दिन जामा मस्जिद में भारी तादाद में लोगो ने नमाज अदा कर वतन की तरक्की खुशहाली, एकता भाईचारे ले लिए दुआएं मांगी गई। वही नगर के छोटी मस्जिद मस्जिद में भी जुमा की नमाज अदा की गई । मस्जिदों में रोजा इफ्तार मंजर देखने काबिल रहता है सभी लोग सामूहिक रोजा इफ्तार कर अपने रब को याद करते है । लोग मस्जिदों में व एक दूसरे घर इफ्तार पहुचाते है । रोजा इफ्तार कराना बहुत ही सबाब का काम है । जुमे की नमाज के समय मस्जिद के सामने एस डी एम कलावती ब्यारे, एस डी ओ पी रत्नेश मिश्रा, नगर निरीक्षक विक्रम रजक ने पुलिस जवानों के साथ मौजूद रहकर होली एवं जुमा की नमाज को बेहतर तरीके से संपन्न कराया । जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार जताया है।

शिक्षक संदर्भ समूह के होली मिलन आयोजन में शिक्षकों ने पुष्प वर्षा कर लगाया गुलाल

गाडरवारा। रंगों के महापर्व होली पर स्थानीय रॉयल पैलेस में शिक्षक संदर्भ समूह के तत्वाधान में होली मिलन समारोह का आयोजित किया गया। जिला समन्वयक सिराज अहमद सिद्धिकी एवं उनके साथियों ब्लॉक समन्वयक मधुसूदन पटैल, राजेंद्र गुप्ता, अमित पटैल एवं अन्य शिक्षक साथियों के संयोजन में आयोजित इस आयोजन में सभी शिक्षकों ने एक दूसरे पर पुष्प वर्षा करते हुए गुलाल लगाया। इस अवसर पर आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में कवियों की रचनाएं सुनकर जमकर ठहाके लगे एवं तालियाँ बजीं। कार्यक्रम में ब्लाक शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुख्या ने कहा की होली के पर्व पर शिक्षक संदर्भ समूह द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय कार्य है। इस प्रकार के आयोजन से मेल जोल बढ़ता है। वही बीआरसी संदीप स्थापक ने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहना चाहिये। क्योंकि इनके आयोजन से सभी शिक्षक साथियों को एक मंच मिलता है। कार्यक्रम में मंचासीन कवियों को स्मृति चिन्ह दिए गए। हास्य कवि सम्मेलन में बुंदेली रचनाकार सचिन नेमा ने पत्नी विषय पर हास्य रचना प्रस्तुत की गई जिससे पूरे माहौल को हास्य रस से सराबोर कर दिया।

खुशियों की पिचकारियों के रंग से सराबोर हुआ शहर, भाईचारे की जमकर उड़ी नगर की सड़कों पर गुलाल, शांति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस टीमे रही चप्पे चप्पे पर तैनात, दूसरे दिन पुलिस थाने के पीछे धूमधाम से मनाई होली....

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

मस्ती, खुशियों का परम्परागत पर्व धुरडी के अवसर पर बीते हुए शुक्रवार को शहर में शालीनता, सांप्रदायिक सौहार्द्र के साथ होली पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस प्रकार से रंगो के त्यौहार होली के दिन शहर के बाजार में सजी रंग गुलाल की दुकानों से अनेक प्रकार के मुखौटे खरीद युवा, बच्चें अपना रूप बदले हुए हुलिये में सुबह से ही नगर की सड़कों, गलियों पर निकले हुये दिखाई देने लगे थें और उन्होनें जमकर खुशियों की पिचकारियों से रंगो की बौछार कर नगर की धरती को लाल कर दिया। वही होली के इस मौके पर खास बात यह रही कि अपने दोस्तो व परिचितो पर रंग डालते हुए उन्हे गुलाल लगाने वाले युवाओं, बच्चों ने मर्यादा का पूरा ध्यान रखा और उन रासायनिक रंगो का होली खेलने में प्रयोग नहीं किया जो स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले माने जाते है। यदि इस वर्ष होली उत्सव की सच्चाई पर गौर किया जावे तो मुस्लिम भाईयों के चल रहे रमजान माह का विशेष दिन जुमा व धुरेडी एक ही दिन होने के बीच शासन द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करते हुये जहां तहा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन होते हुये देखे गये जिसमें पहुंचने वाले शहरवासियों को अपने तन को पूरी तरह रंगवाकर मोहक अंदाज में नृत्य करने मजबूर होना पड़ा। इस तरह युवाओं ने जगह जगह महफिलें सजा भंग मिली मिठाईयॉ, एक सर्व प्रचालित पेय पदार्थ का सेवन कर झूमते, गाते, परस्पर गले मिल होली मनाने का आनंद लिया। वही होली के इस अवसर पर शहरवासी मंदिरो में भगवान को गुलाल अर्पित करने भी पहुॅचे तथा अनेक स्थानों पर गीत, संगीत के कार्यक्रम आयोजित हुए इस वर्ष विशेष बात थी कि होली के मौके पर नगरवासियों ने नगर में भ्रमण कर शहरवासियों को आत्मीयता के रंग से ओत प्रोत किया। बताया जाता है कि इस होली के अवसर पर शहर में मिठाईयो, फलों, कोल्ड डिंक्स की दुकानों पर भीड़ भाड से भीषण महॅगाई

शर्माथी प्रतीत हुई तथा घरों में शुभ चिंतकों की लगातार आव भगत की जाती रही। परम्परा के अनुसार शहरवासी शोकाकुल परिवारों के लोगों को गुलाल लगाने पहुंचे और सम्बेदनाएँ व्यक्त कर उनका दुःख हल्का किया। इस वर्ष होली के चलतें नपा. ने पेयजल आपूर्ति, साफ सफाई के बेहतर इंतजाम कर जहां नगरवासियों का दिल जीता। वही कानून व्यवस्था बहाल करने पुलिस भी चौकस रही जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पुलिस विभाग के अनुभवी माने जाने वाले उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक विक्रम रजक सहित संपूर्ण टीम द्वारा नगर में शांति पूर्वक होली मनाने के लिए पुलिस की जो व्यवस्था की गई थी उसे देखते हुए नगर में पहलीवार देखने मिला की आखिर में पुलिस नगरवासियों की सुरक्षा के लिए कितनी जिम्मेदार है। क्योंकि पुलिस द्वारा होली के अवसर पर मस्त होकर युवाओं द्वारा अपनी गाडिया दौड़ाने पर पाबंदी के लिए जहां तहां पाइंट बनाते हुए एक गाड़ी पर तीन लोग या फिर तेज गति से बाइक दौड़ाने वाले युवाओं को रोककर होली की बंधाई देते हुए इस प्रकार से समझाईश दी गई जिसके चलते वह पुलिस की इस पहल पर अपनी गाड़िया टिकाने के लिए मजबूर होते हुये देखे गये? इस

संबंध में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा का कहना था कि यदि नशे की हाल में युवा गाड़ी दौड़ाते है तो कार्यवाही करना तो कानून प्रक्रिया है। मगर यदि उन्हें अच्छी समझाईश दी जाये तो उसके आधार पर उनके साथ साथ दूसरों का भविष्य भी सुधर सकता है और पुलिस की समझाईश का असर युवाओं पर देखने भी मिला है। इस प्रकार से आश्चर्य की बात रही कि होली पर शहर में तैनात पुलिसकर्मी, अधिकारी नगर के युवाओं, बच्चों को शांतिपूर्ण ढंग से होली खेलते देख उनमें उत्साह जगाते रहे। सही मायने में गौर किया जावे तो जिस प्रकार से नगर में शांति पूर्वक होली मनाई गई। इसी प्रकार से ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों द्वारा बड़ी ही शालिनता के साथ होली त्यौहार पर रंग गुलाल से महौल को गुलाबी कर दिया गया। इस तरह से होली के त्यौहार पर क्षेत्र में किसी भी प्रकार से एक भी अप्रिय घटना न होने से प्रसन्नता के चलते दूसरे दिन यानि की शनिवार को समाज की पहरेदार पुलिस अधिकारियों ने नगर के थाना प्रांगण के पीछे यानि की पुलिस थाने के पिछवाडे में खूब होली खेली जिसके चलते जहां संपूर्ण पुलिस लाईन की नई क्वाटरो का परिसर गुलाल से सतरंगी नजर आ रहा था। वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षो पूर्व से चली आ रही रम्पुराओं के

चलते देखा गया कि गांव का मुखिया अपने गांव के लोगों के साथ फांगे गाते हुए शोक वाले परिवारों में पहुंचकर उन्हें शोक संवेदनाए व्यक्त करने पहुंचते है। मगर यह परम्परा जहां युवा पीढ़ी भूलते जा रही है। इसके बाद भी यह पुरानी परम्परा को अनेक गांवों के युवाओं में देखने मिली जहां पर अपने ग्राम के लोगों के साथ मिलकर पुरानी परम्परा को कायम रखते हुए फांगों के टोली के साथ शोक परिवारों में पहुंचकर रंग गुलाल लगाते हुये युवाओं को देखा गया। गौरतलब है कि पिछले कई सालो से शहर में धूमधाम से रंग पंचमी का त्यौहार मनाने का चलन हो गया है, जिसमें युवा बच्चे, उत्साहीजन होली खेलने में कोई कसर नही रहने देते है। उल्लेखनीय है कि होली के आलवा नगर में रंग पंचमी का त्यौहार भी इसी प्रकार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है जिसके चलते 19 मार्च को होली के समान रंग पंचमी के अवसर पर भी जमकर रंगों की धमाल मचाने और शहर के रंगो में डूबने की पूरी सम्भावना है? ज्ञात हो कि इस वर्ष तिथि के फेर बदल के चलते रंग पंचमी का त्यौहार गिनती के अनुसार एक दिन बिलम्ब से चल रहा है। वही होली की तरह रंगपंचमी के अवसर पर शांति व्यवस्था बनाने के लिए प्रशासन द्वारा संपूर्ण इंतजाम किये गये है।

होली की पूर्व संध्या में कौड़िया रोड पर दो मोटर साईकिलों के बीच हुई भिंडत में एक की मौत, दूसरा घायल

गाडरवारा। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि लोगों को जिस तरह शराब के नशें में मस्त होकर या फिर लापरवाही पूर्वक वाहन दौड़ाये जाने का लेकर शासन प्रशासन द्वारा लगातार उनके परिजनों को सचेत किया जा रहा है। मगर इसके बाद भी परिवार के लोगों की अन देखी का परिणाम होता है कि त्यौहारों के दौरान पूरी खुशी मातम में बदलने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये होली त्यौहार के दौरान भी शराब पीकर वाहन दौड़ाने वालों पर पैनी नजर रखने के लिये प्रशासन प्रशासन चप्पे चप्पे पर तैनात रहते हुये नजर रखे हुये था। वही दूसरी ओर लापरवाही पूर्वक वाहन चालने वालों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये देखा गया। मगर सबाल यह पैदा होता है कि शहर या फिर निर्धारित स्थलों तक ही यह व्यवस्था बना सकता है। इसके बाहर परिवार के लोगों का दायित्व भी होता है कि वह अपने बच्चों पर अंकुश लगाये तभी इस तरह की घटनाओं पर लगाने में सफलता मिलने की उम्मीद की जा सकती है। क्योंकि शासन प्रशासन द्वारा आदेश देते हुये मनमानी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही तो करता है। इस दौरान जब नेतागिरी इस कार्यवाही के विरोध में हावी होने लगती है तो फिर अधिकारी भी यह बात सोचने से नही चूकते है मैया जैसा चल रहा है चलता रहने दो ..हमें क्या फालतू के नेताओं से बुराई पालने से..। इसी का परिणाम है कि क्षेत्र में आये दिन सड़क दुर्घटनाये घटित होते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। इसी प्रकार से होली की पूर्व संध्या पर भी गाडरवारा कौड़िया मार्ग पर दो मोटर साईकिलों की आपस में

रेल पुलिस के हाथ लगी बडी सफलता, ट्रेन में चोरी करने वाले घूरपुर के दो आरोपियों से जप्त किये सोने के जेवर सहित मोटर साईकिल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

कहा जाता है कि जब पेहरेदार अपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ करते है तो चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले ज्यादा दिन तक कानून की पकड़ से बाहर नही रह पाते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई रेल पुलिस द्वारा साबित करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। दो आरोपियों को पकड़ते हुये उनके पास से सोने के जेबर सहित चोरी की गई मोटर साईकिल जप्त की गई है। घटना के संबंध में रेल पुलिस थाने द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बीते हुये 18 फरवरी को अजय कुमार निवासी इटारसी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया था कि जब वह ट्रेन क्रमांक 11271 विन्ध्याचल एक्सप्रेस से यात्रा के दौरान उनकी पत्नी का लेडिज बैग चोरी हो गया जिसमें वीवो कंपनी का मोबाईल, सोने की चेन, सोने की अंगूठी सहित एटीएम अन्य जरूरी कागज रखे हुये थे। घटना को लेकर रेल पुलिस थाना गाडरवारा द्वारा अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया। वही रेल पुलिस अधीक्षक जबलपुर सुश्री सिमाला प्रसाद व उप पुलिस अधीक्षक लोकेश मार्को द्वारा गाडरवारा थाना प्रभारी एल पी झारिया को आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के आदेश जारी करते हुये एक टीम बनाने के लिये निर्देशित किया गया। इस तरह झारिया द्वारा बनाई गई टीम में ए एस आई राकेश चौधरी, प्र आरक्षक विनय मिश्रा, आरक्षक रवि पुरोहित, आशीष सराठे, विजय शर्मा व मेताब बघेल को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय करते हुये चोरों के संबंध में जानकारी एकत्र करते हुये। संदेह के आधार पर सचिन पिता लखन कहार एवं दीलिप पिता तरबर कहार दोनों निवासी ग्राम घुरपुर तहसील गाडरवारा को पकड़ते हुये जब पूछताछ की गई तो आरोपियों द्वारा ट्रेन में चोरी करने की बात स्वीकार करते हुये पुलिस के हवाले चोरी की गई चेन, सोने की अंगूठी के आलवा एक टीव्हीएस कंपनी की अपाची मोटर साईकिल हवाले कर दी गई जिसके चलते पुलिस ने इस सामग्री को जप्त करने की कार्यवाही पूर्ण की गई। इस तरह आरोपियों के पास से पुलिस ने 3 लाख 15000 रूपया की सामग्री जप्त की गई है। इस संबंध में रेल पुलिस द्वारा अपनी जानकारी में बताया गया है कि यह आरोपी पहले ट्रेनों में अवैध रूप से सामग्री विक्रय करने का काम करते थें। उसी दौरान वह पहले भी इस तरह चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके है। इस तरह होली के पूर्व रेल पुलिस के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है।

नगर विकास के लिये शिवाकांत मिश्रा ने बनाई 229.57 करोड़ की योजना, बजट पारित करते हुये बाजारों को ठेके पर देने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

फरवरी मार्च का माह सरकारी संस्थाओं से लेकर केन्द्र व प्रदेश सरकार सहित नगरी निकायों के लिये महत्व पूर्ण माना जाता है। क्योंकि इन महिनों के दौरान केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकारों द्वारा पूरे साल किये जाने वाले विकास कार्यो से लेकर अपनी योजनाओं का वित्तिय लेखा जोखा तैयार किया जाता है। इसी प्रकार से शहर की सरकारों द्वारा भी अपने नगर के विकास की भूमिका तैयार की जाती है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिवस स्थानीय नगर पालिका परिषद की बैठक में भी नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा द्वारा अपनी परिषद के सदस्यों सहित अधिकारियों की मौजूदगी में नगर विकास के लिये 229.57 करोड़ रूपया का बजट पारित किया गया है। बताया जाता है कि स्थानीय नगरपालिका सभाकक्ष में नगर परिषद की साधारण सम्मेलन की बैठक नगरपालिका अध्यक्ष पंडित शिवाकांत मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्दशन में सहायक लेखा अधिकारी जन्मेजय कौरव द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु कुल 229.57 करोड़ रूपये का बजट प्रस्तुत किया गया। तैयार किये गये इस बजट में नगर को सुन्दर बनाने व आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये शहर के आमगांव तिराहे से स्टेशन तक पाथवे यानि की पैदल मार्ग निर्माण हेतु 20 करोड़ रूपया की राशि तथा नालंदा परिसर शापिंग काम्प्लेक्स हेतु 10 करोड़ रूपया की राशि तथा नगर पालिका के नवीन कार्यालय भवन हेतु 5 करोड़ रूपये व गीता भवन हेतु 15 करोड़ रूपये के आलवा स्पोर्टस काम्प्लेक्स हेतु 15 करोड़ रूपये तथा नगर के छिड़ाव घाट से शक्कर नदी पुल तक पाथवे रिटर्निंग बाल 40 करोड़ रूपये सहित अन्य विकास कार्यो को प्रस्तावित किया गया। बजट प्रस्ताव का अनुमोदन परिषद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके अलावा बैठक में निकाय के विकास कार्यो संबंधी प्रस्ताव, साप्ताहिक तथा दैनिक बाजार व्यवस्था, पशु बाजार को ई-निविदा के माध्यम से वार्षिक ठेके पर दिये जाने के संबंध में एवं जलकर की मासिक दरो में बढ़ोत्तरी किये जाने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये जिनको सर्वसम्मति से पारित किया गया। उक्त बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष के आलवा सभापति सहित नेता प्रतिपक्ष पार्षदगण एवं नगरपालिका के समस्त शाखा प्रभारियों की उपस्थित रहे।

भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ तीन दिवस कथा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

दादा धूनी वालों की नगर साईंखेड़ा के गाडरवारा रोड स्थित श्री दादा दरबार में 3 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन के पूर्व भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। वही कथा प्रथम दिवस गुरु महाराज छोटे सरकार ने शोभायात्रा में शामिल होकर पहले साधु संतों एवं दादा दरबार वैदिक पाठ शाला के विप्र बटुकों एवं विप्रजनों के साथ गढ़ी दरबार में श्री बड़े दादाजी महाराज का दर्शन पूजन कर धूनी मैया में हवन किया । वही निकाली गई यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गाडरवारा रोड स्थित दादा दरबार पहुंची। जहां पर दादाजी भक्तों द्वारा नगर में अनेकों स्थान पर छोटे सरकार सहित साधु संतों का पूजन कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

ज्ञात हो कि दादा दरबार में प्रतिवर्ष होली के बाद पुराणों की कथा आयोजित होती है। जिसमें श्रीमद भागवत महापुराण, श्री राम कथा, श्री विष्णु पुराण, श्री मत्स्य पुराण, नानी बाई के मायरे आदि का आयोजन पिछले कई वर्षो से होता आया है, उसी क्रम में इस वर्ष 3 दिवसीय श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है..। इस आयोजन में साईंखेड़ा क्षेत्र के साथ साथ देश विदेश से भारी संख्या में दादाजी भक्त और आमजन छोटे सरकार महाराज का दर्शन करने पहुंच रहे है। वही भक्तों द्वारा हिंदी, मराठी, सिन्धी, मारवाड़ी जैसी अनेक भाषाओ में भजन किया जाता है। कथा वाचक पूज्या कृष्ण प्रियां के द्वारा कथा के ऐसे भावनात्मक एवं आचरणात्मक पहलू को श्रोताओं को सुना रहे है जो कि आम तौर पर अन्य कथाओं में नहीं बताया जाता जिससे श्रोताओं में हर्ष व्याप्त है। वही बताया जाता है कि कथा हेतु दादा दरबार में आकर्षक फूलों एवं विद्युत लाइटिंग द्वारा सजावट की गई है जिसे देखकर श्री दादाजी भक्तों को दरबार में स्वर्ग जैसे आनंद की प्राप्ति हो रही है।

खबर संक्षेप

जुआ खेलते 5 जुआरी गिरफ्तार, 12000 रूपये सहित 7 मोटर सायकल जप्त

चचाई। मुखबिर से सूचना मिली कि गीताग्राम ग्राउण्ड के पास कुछ जुआड़ियान जुआ फड़ लगाकर तास पत्ते में रुपये पैसे का हारजीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं उक्त सूचना पर जुआडियानों को हमराह स्टाफ के माध्यम से पकड़ा गया नाम पता पूछने पर दोनों ने अपना-अपना नाम मन्ना पाव पिता फगुना पाव उम्र 57 वर्ष निवासी निवासी दुर्गा मंदिर अमलाई, रफीक अहमद पिता स्व0 जबीर अहमद उम्र 45 वर्ष निवासी दुर्गा मंदिर अमलाई, सतेन्द्र दाहिया पिता जगदीश प्रसाद दाहिया उम्र 39 वर्ष निवासी दफाई नं0 01 धनपुरी थाना धनपुरी जिला शहडोल, सुनील डेहरिया पिता स्व0 श्रीराम डेहरिया उम्र 39 वर्ष निवासी विवेकनगर, मोहम्मद एहसान पिता मोहम्मद

उदासीनता का शिकार होती जीवनदायनी नर्मदा नदी

शहपुरा

शहपुरा क्षेत्र के मालपुर तट पर स्थित कन्हैया संगम में मां नर्मदा की धार लगातार समाप्त होती जा रही है। पूरा घाट मलबे से पटा हुआ है, जो हमारी उदासीनता और शासन प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है।मां नर्मदा का महत्व हमारे धर्म और संस्कृति में बहुत अधिक है। वह हमारी जीवनदायनी है, और उनकी पूजा करने से हमारे पाप धुल जाते हैं। लेकिन हमारी उदासीनता के कारण आज मां नर्मदा की स्थिति इतनी खराब हो गई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मां नर्मदा की धार को बचाने के लिए उन्होंने कई बार शासन प्रशासन से गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।इसलिए, हम आप सभी से निवेदन करते हैं कि मां नर्मदा की सफाई के लिए आगे हाथ बढ़ाएं। हमें अपने शासन प्रशासन को जगाना होगा और उन्हें मां नर्मदा की स्थिति में सुधार करने के लिए कहना होगा।

आइए, हम मिलकर मां नर्मदा की सफाई करें और उनकी धार को फिर से बहने दें। यह हमारी जिम्मेदारी है और हमें इसे निभाना होगा।

कांग्रेस में शामिल होने की खबर पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन है - जितेन्द्र चंदेल

शहपुरा

वहीं कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शहपुरा संजय राय ने सदस्यता की पर्ची को दिखाते हुए सदस्यता करने की बात कह रहे है अब इस सदस्यता को लेकर के बाजार में कई तरह की बात चल रही है ।

बुधवार को एक अख़बार में प्रकाशित खबर प्रकाशित किया गया था कि शहपुरा जनपद के कई सदस्य भाजपा और गोगपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। जनपद सदस्य जितेंद्र चंदेल, टेकेश्वर साहू और देवीदीन झारिया ने प्रेसवार्ता के माध्यम से इस खबर का जोरदार खंडन किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने न तो कांग्रेस की सदस्यता ली है और न ही वे किसी दल में शामिल हुए हैं। वे आज भी अपने पुराने दल भाजपा के सदस्य हैं और पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

जनपद सदस्यों ने मीडिया और समाचार पत्रों से अपील की कि वे खबर प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करें, ताकि किसी की भी छवि को नुकसान न पहुँचे। शहपुरा के जनपद सदस्यों ने कांग्रेस में शामिल होने की खबर को पूरी तरह से भ्रामक और तथ्यहीन बताया है।

इनका कहना है

अखबार में जो खबर छपी है वह पूरी तरह से झूठी है। मेरी किसी भी दल में जाने की कोई मंशा नहीं है।"

जितेंद्र चंदेल

शहपुरा नगर में हुआ होलिका दहन खेली गयी जमकर होली

शहपुरा

फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन विशेष मुहूर्त पर शहपुरा नगर के तमाम मोहल्ले में होलिका दहन का कार्यक्रम आयोजित किया गया

जिसके अगले दिन रंगों का महा पर्व होली बड़े ही धूमधाम से मनाया गया बच्चे बूढ़े और जवान सभी ने एक दूसरे को रंग लगाकर गले मिलकर होली की बधाई दी शांति और सौहार्द के साथ होली का पर्व शहपुरा नगर में मनाया गया वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के लिऐ चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी

श्री राम जानकी मंदिर में मनाई गई होली

शहपुरा नगर क प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर में प्रतिवर्षण अनुसार इस वर्ष में होलिका दहन का कार्यक्रम रखा गया जिसके अगले दिवस प्रातः प्रभातफेरी के उपरांत रंगोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ सभी लोगों ने भगवान श्री राम जानकी को रंग गुलाल अर्पित कर एक दूसरे को गुलाल तिलक लगाकर गले मिल बधाई दी।

हत्या तक पहुंचा पान का विवादः एक की मौत, दूसरा गंभीर

अनूपापुर जिले में दो दिवसीय होली की फाग एवं डफली की थाप पर छिड़ी जोगीरा व स्थानीय लोक सुरों की साज में पहले दिन 14 मार्च को जिलेभर में रंगों का पावन पर्व होली हर्षोल्लास एवं 16 मार्च को भाईचारे के साथ मनाया गया। कोतमा को छोडकर जिला मुख्यालय सहित भालूमाड़ा, बदरा, राजनगर, बिजुरी, रामनगर, जैतहरी सहित पुष्पराजगढ़ के ग्रामीण अंचलों में रंगों का बौछार और फाग के साथ पर्व मनाया गया। कोतमा मे पान के विवाद ने एक की बलि ले ली वही दूसरा गंभीर रूप से घायल है।

लोगों ने शांति और भाईचारे के साथ जमकर होली खेली। सडकों से लेकर गलियों तक रंग और गुलाल की बौछार होती रही। इन रंगों में युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने होली खेला। खासकर छोटे बच्चों ने गुब्बारों में रंगीन पाानी भरकर दूसरे पार उछालकर होली का भरपूर आनंद लिया। 13 मार्च की रात होलिका दहन दूसरे दिन रंग धुरेडी खेलने का माहौल बना रहा, जो दोपाहर तक रंग गुलाल के साथ मनाया गया। इस मौके पार डफली की थाप पर दिनभर शहर और गांवों में फाग मंडली के लोग थिरकते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों में बहुरूपिया रूपों में लोगों ने नृत्य व गायन कर फाग का आनंद उठाया। 16 मार्च को भाई दूज के साथ जमकर होली हुई। अमरकंटक में लोगो ने नर्मदा मंदिर के आसपास जमकर होली के रंगों का आनन्द लिया।

कोतमा में हत्या तक पहुंचा पान का विवाद

इस बीच कोतमा मे पान के मालूली विवाद ने बडा रूप ले लिया जिसमे एक की मौत हो गई वही दूसरा अस्पताल मे जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। कोतमा नगर के वार्ड नंबर 6 में 14 मार्च की शाम पान की दुकान में पान न मिलने पर कुछ युवकों ने दुकानदार से मारपीट शुरू कर जानलेवा हमला कर दिया जिससे दुकानदार घायल हो गया जहां प्रथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई, वहीं शनिवार को मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तार एवं पुलिस के सामने ही मारपीट करने पर दोषी पुलिसकर्मियों के निलंबन की मांग को लेकर गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर पर चक्का जाम कर धरने पर बैठ गए। कोतमा थाना में पान मांगने को लेकर हुए विवाद बढ़ने पर बीच-बचाव करने आए 30 वर्षीय विक्की केवट पर आरोपियों ने राफ्टर से हमला कर दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल विक्की को पहले शहडोल और फिर जबलपुर रेफर किया गया।

विरोध के बाद ट्रांसफार्मर के स्थानांतरण पर लगी रोक, वापस लौटे अधिकारी कर्मचारी

एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के विद्युत विभाग के अधिकारियों की मनमानी का किया विरोध

अनूपपुर

एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के जमुना कॉलोनी पाथरखेड़ा दुर्गा पंडाल में लगे ढाई सौ केवी के ट्रांसफार्मर को प्रबंधन द्वारा खोलकर अन्य स्थान पर ले जाने का प्रयास किया जा रहा था तथा उसके स्थान पर 150 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा था, तभी स्थानीय लोगों तथा एसएमएस यूनियन के द्वारा प्रबंधन के इस निर्णय का विरोध किया। एसएमएस यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला एवं महामंत्री विक्रम प्रसाद मौके पर खड़े होकर प्रबंधन के इस निर्णय का पुरजोर विरोध किया और कहा कि जमुना कोतमा क्षेत्र के विद्युत विभाग के अधिकारी त्योहार के समय पर जो घटिया हरकत कर रहे हैं वह ठीक नहीं है हजारों कर्मचारी यहां निवासरत हैं

जिसकी चिंता प्रबंधन को नहीं है। वार्ड नंबर 5 की पार्षद श्रीमती सरोज लोधी ने कहा कि वर्तमान समय में जो ढाई सौ केवी का ट्रांसफार्मर लगाया गया है उससे हमारे वार्ड की बिजली सुचारू रूप से संचालित हो रही है लेकिन एसईसीएल के अधिकारी यहां के ट्रांसफार्मर को खोलकर दूसरे स्थान पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं जिसका हम सब विरोध करते हैं। प्रबंधन के अधिकारियों को हमारे क्षेत्र की जनता चैन की नींद सो सके यह रास नहीं आ रहा है। स्थानीय लोगों तथा एसएमएस यूनियन के विरोध के बाद एसईसीएल जमुना कोतमा में क्षेत्र के विद्युत विभाग के अधिकारियों को उल्टे पैर लौटना पड़ा और बंद की गई विद्युत सप्लाई को चालू करनी पड़ी।

नल जल योजना में लापरवाही

अनूपपुर के हैंडपंप उगल रहे हवा, लाखों की टंकी बनी शोपीस

राजेन्द्रग्राम।

सरकार की बहुप्रचारित नल जल योजना का सच अनूपपुर जिले में उजागर हो गया है। यहां के कई गांवों में हैंडपंप पानी की जगह हवा उगल रहे हैं, जबकि लाखों रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी महज शोपीस बनकर रह गई है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण गंदा पानी पीने को मजबूर हैं और अपनी बुनियादी जरूरत के लिए भटक रहे हैं।

टंकी बेकार, पानी के लिए तरसते ग्रामीण

विशेष रूप से पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के बरबसपुर गांव में हालात बदतर हो चुके हैं। ग्रामीणों के लिए स्वच्छ पेयजल का कोई इंतजाम नहीं है। जो लोग वाटर टैंक खरीद सकते हैं, वे बाजार से पानी खरीदकर गुजारा कर रहे हैं, जबकि बाकी गांववाले मजबूरी में तालाब और गड्ढों का गंदा पानी पीने को विवश हैं। गांव में पहले कई बोरवेल थे, लेकिन प्रशासन की लापरवाही के कारण उनमें केसिंग पाइप नहीं डाले गए, जिससे जल स्रोत बंद हो गए। वहीं, सरकार द्वारा बिछाई गई जल सप्लाई पाइपलाइन कई जगह जमीन के

ऊपर पड़ी नजर आ रही है, जबकि घर-घर लगाए गए नल अब तक पानी की एक बूंद नहीं दे सके हैं।

100% कागजों में संचालित योजना

नल जल योजना के तहत गांव-गांव में हैंडपंप लगाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों को जगह-जगह से तोड़ दिया गया, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ गई हैं। हालांकि, कागजों पर यह योजना 100% सफल बताई जा रही है, लेकिन जमीनी सच्चाई कुछ और ही बयां कर रही है।गांववालों का कहना है कि अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के चलते यह योजना पूरी तरह से विफल हो चुकी है। शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही। यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो ग्रामीणों के लिए यह जल संकट और गंभीर हो सकता है। अब सवाल यह है कि सरकार कब तक इस लापरवाही पर आंखें मूंदे रखेगी? क्या प्रशासन नींद से जागेगा या फिर गांववालों को यूं ही गंदे पानी के सहारे जीने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

इनका कहना है

आपके माध्यम से पुष्पराजगढ़ विकासखंड के बरबसपुर का मामला संज्ञान में आया है, वहाँ पेय जल की समस्या है स्थल पर विजिट करके वास्तविक स्थिति को देखकर जो भी समस्या होगी उसका निराकरण कर पेयजल व्यवस्था बहाल की जाएगी।

अमित शाह, कार्यपालन अभियंता

होली उत्सव पर नुक्कड़-नाटक के माध्यम से किया जागरूक

अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक में स्थित पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक के प्राचार्य डॉ एस.के.राय के नेतृत्व में होली महोत्सव हर्षोल्लास, धूमधाम व शांतिपूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य द्वारा होली की शुभकामनाएं दी, और सभी को प्राकृतिक रंगों से खेलने की अपील की और होली के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व बताये। इसके बाद होली मिलन में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने एक दूसरे को रंग लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दी और मिलकर सभी ने रंगारंग डांस किया। इस अवसर पर पेस सेटिंग गतिविधि के अंतर्गत मेरा भारत नशामुक्त भारत की थीम पर मेरा विद्यालय नशामुक्त विद्यालय जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कक्षा नवमी के छात्र-छात्रा द्वारा नुक्कड़ नाटक होली दिवस पर विद्यालय के चौराहे पर प्रर्दशन कर शुभारंभ किया जिसमें मुख्य किरदार व्यसन राज-द्ववेदी, तंबाकू-प्रयाग, पान-सौर्य , शराब-नूतन, सिगरेट-सौरभ,ड्रग्स-मनीष को भारत माता-शैली ने अपने ज्ञान, वरदान और आशीर्वाद से किया लोगों को जागरूक। जिसका मुख्य उद्देश्य योग और मेडिटेशन को जीवन में धारण कर जागरूकता फैलाना और एक स्वस्थ, सुखी, एवं नशा मुक्त भारत का निर्माण करना है। उपस्थित 300 लोगों को सक्षम ने नशा मुक्ति पर सामुहिक शपथ दिलवाई और उपस्थित दर्शकों ने कहा कि वे दूसरे लोगों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं स्टाफ फेमिली उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन हेतु समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार डॉ.ए.के.शुक्ला द्वारा व्यक्त किया गया।

हिंदुस्तान पावर प्लांट परिसर में मनाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह

अनूपपुर। हिंदुस्तान पावर के प्लांट परिसर में 4 से 11 मार्च तक राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुरक्षा सप्ताह का समापन समारोह 12 मार्च को हुआ । समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला यातायात प्रभारी सुश्री ज्योति दुबे उपस्थित रहीं। उन्होंने सुरक्षा की महत्वपूर्णता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि औद्योगिक विकास में कुशल श्रम को होना आवश्यक है लेकिन सुरक्षा के बिना कुशल श्रम का होना संभव नहीं हो सकता है ।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कंपनी के प्लांट हेड एवं सीओओ आनंद देशपांडे ने कहा, सुरक्षा सप्ताह हमारे लिए एक त्यौहार जैसा होता है, जैसे किसी त्यौहार को खुशी और उल्लास के साथ

मनाया जाता है, उसी तरह सुरक्षा जागरूकता अभियान औद्योगिक इकाईयों में मनाया जाता है और बताया कि सुरक्षा को हमें अपनी दिनचर्या में आदत के रूप मे शामिल करना चाहिए, बिना सुरक्षा के हम खुशहाल और समृद्ध देश की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने इस वर्ष के राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस की थीम विकसित भारत के लिए सुरक्षा और कल्याण महत्वपूर्ण है का पूर्ण रूप से अनुपालन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। मैंटेनेंस विभाग प्रमुख टी.एम. पाई ने सुरक्षा नियमों के अनुपालन की अनिवार्यता पर जोर देते हुए कहा कि समय पर 'नियर मिस' घटनाओं की रिपोर्टिंग से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है, निश्चित ही, सुरक्षा हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है, और हम यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया जाए। पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. भोला प्रसाद कुशवाहा और उनकी टीम ने सुरक्षा प्रदर्शन रिपोर्ट साझा की, और वर्ष के दौरान विभाग की उपलब्धियों को साझा किया साथ ही बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विभाग ने सुरक्षा सप्ताह के दौरान जागरूकता अभियान से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की है, जिनमें सुरक्षा जागरूकता रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, भाषण प्रतियोगिता इत्यादि शामिल हैं। विभिन्न प्रतियोगियों में शामिल सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को प्रबंधन द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रबंधन के द्वारा कुछ विभागीय पुरस्कार भी प्रदान किए गए जिनमें सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा मॉडल के लिए बॉयलर मेंटेनेंस विभाग को सम्मानित किया गया, सर्वश्रेष्ठ सेफ्टी काउंसिल पुरस्कार के लिए इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस विभाग को पुरस्कार दिया गया, और सर्वश्रेष्ठ हाउसकीपिंग पुरस्कार से मिल मेंटेनेंस विभाग को नवाजा गया। इसके अलावा, सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों, इंजीनियरों, प्रबंधकों एवं सुरक्षा सुपरवाइजरों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार देकर उन्हें भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सुरक्षा विभाग ने इस सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिभागियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 17 मार्च 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

थाने में नाश्ता बनाने गये मिस्त्री के साथ मारपीट

नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना मुंगवानी में होली मिलन समारोह के आयोजन मे प्रिंस कहार पिता राजेश कहार नामक युवक को नाश्ता बनाने के लिये बुलाया गया था। आयोजन के दौरान नाचते समय किसी पुलिसकर्मी की चैन गुम हो गई जिसे लेकर युवक से पूछताछ करते हुए मारपीट की गई जिससे व घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

नहीं रहे बाबूलाल पटेल

नरसिंहपुर। नगर के प्रतिष्ठित पटेल परिवार के सदस्य बाबूलाल पटेल (नेता कक्का) निवासी रिपटापार पाठक वार्ड भरिया मोहल्ला का रविवार को निधन हो गया। बाबूलाल पटेल, स्वर्गीय गोरेलाल पटेल, संतोष पटेल के भाई एवं संजय पटेल (संजू), अरुण पटेल, पवन पटेल के पिताश्री तथा पत्रकार भोजराज पटेल के चाचा श्री थे। बाबूलाल पटेल नेता कक्का के नाम से जाने जाते थे। वे राजनीति के अलावा धार्मिक, सांस्कृतिक और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में हमेशा आगे रहा करते थे। स्वर्गीय बाबूलाल पटेल के अंतिम संस्कार यात्रा में सभी वर्ग के लोगों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

खुरपा में नसबंदी शिविर आज

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में माह मार्च 2025 में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। इसी क्रम में विकासखंड नरसिंहपुर के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खुरपा में 17 मार्च को महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 21 को

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय नरसिंहपुर के जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 21 मार्च 2025 को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जायेगा। इस दिन उपभोक्ताओं को खाद्य एवं नागरिक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, नापतौल, शिक्षा, पंचायत वं ग्रामीण विकास, अनुसूचित जाति जनजाति, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, बीमा, परिवहन, ऑयल कम्पनी, बिजली, दूरसंचार आदि के जिला स्तरीय अधिकारी संबंधित विभाग से संबंधित सेवाओं अधिकारों के संबंध में अवगत करायेंगे। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए अपने- अपने विभाग से संबंधित प्रदर्शनी भी निर्धारित समय के पूर्व लगाये जाने के लिए कहा गया है। यह जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

फार्मर आईडी 20 मार्च तक जनरेट करने के निर्देश

नरसिंहपुर। भारत सरकार एवं किसान कल्याण मंत्रालय की एग्रीटेक योजना के तहत प्राप्त निर्देशों के परिपालन में प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री बनाये जाने की कार्यवाही के लिए निर्देश जारी किये गये हैं। इसके अंतर्गत प्रत्येक कृषक भूमिस्वामी को एक यूनिक आईडी भारत सरकार द्वारा जनरेट कर प्रदान की जा रही है। इससे कृषकों को आसानी से केसीसी से ऋण कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी और हितग्राही मूलक योजनाओं के लिए लक्ष्य निर्धारण व कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से सत्यापन की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी। फार्मर आईडी जनरेट करने की कार्यवाही अभियान के रूप में पूर्ण करने के लिए कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इसके लिए प्रत्येक कैम्प के लिए तीन समान किस्तों में 15 हजार रुपये की राशि दी जायेगी। प्रदेश में 100 लाख फार्मर आईडी बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भाई को बहनों ने लगाया टीका, मांगी मुराद, प्रशासन की रही चौकसी, रही चाक चौबंद व्यवस्थाएं

जमकर उड़े रंग गुलाल, परंपरागत ढंग से मनाई होली

नरसिंहपुर। होली का त्यौहार सत्य व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक होली का त्यौहार लोगों द्वारा परंपरागत ढंग से मनाया गया। लोगो द्वारा एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनायें दी। गुरूवार की रात्रि को जगह - जगह होलिका दहन किया गया एवं शुक्रवार को युवाओं की टोली सुबह से रंग गुलाल लेकर निकल पड़ी और जमकर होली खेली गई। वही अनरव वाले घरों मे लोगो द्वारा जाकर रंग गुलाल कर फागे भी आयोजित कराई गई। होली के त्यौहार को लेकर कलेक्टर एवं एस पी द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये थे। नगर के प्रत्येक गली चौराहों पर प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था रही।

उमंग व उत्साह के साथ मनाया त्यौहार

रंगो का त्यौहार होली बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया लोगो द्वारा होली पर जमकर लुप्त लिया। लोग एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाते नजर आये वही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा भी होली का जमकर आनंद लिया गया। होलिका दहन के साथ ही होली पर फागों का राग भी प्रारंभ हो जाती है। होली भाईचारे , रंग, गुलाल और मौज मस्ती का त्यौहार है। परंपरागत रूप से मनाए जाने वाले इस त्यौहार को कई राज्यों में इसे अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है, किंतु नरसिंहपुर जिले में होली मनाने की कुछ फिजा ही निराली है। शहरी तथा ग्रामीण अंचलों में जगह-जगह होलिका दहन के पश्चात अगले दिन धुरेड़ी पर हर वर्ग के लोगों ने उमंग व उत्साह से होली का पर्व मनाया।

बच्चों मे दिखा काफी उत्साह

धुरेड़ी के दिन प्रातः होते ही नन्हें-मुन्ने बच्चे पिचकारी लेकर सड़कों पर घूमते नजर आने लगे वे पिचकारी के साथ मुखौटा लगाए तथा हाथ में रंग गुलाल लिए धमाचैकड़ी मचाते रहे। दोपहर होते-होते सड़कों पर हुरियारे नजर आने लगे। रंगों से सराबोर होने के कारण अनेक लोगों को तो पहचानना तक मुश्किल हो रहा था। लोग एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाते नजर आये। सड़को में भी रंग व गुलाल नजर आ रहा था। धुरेड़ी के दिन सुबह से ही गली मोहल्लों मे चहल पहल नजर आने लगी थी बच्चे सुबह से ही रंग गुलाल लेकर निकल पड़े और जैसे जैसे सूर्य आसमान में चढ़ रहा था वैसे वैसे ही होली की हुड़दंग सम्पूर्ण रंग के साथ सड़को पर उतर आई लोगो ने जमकर होली खेली लोग एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाकर गले मिलकर बधाई देते नजर आये। लोगो की टोलियां बाजे गाजे के साथ निकली और जमकर रंग गुलाल की होली खेली गई। होली पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया, इसमें पुलिस विभाग की सर्वाधिक अहम भूमिका रही। सामाजिक व धार्मिक सौहार्द को बरकरार रखने की कवायद में होली दहन की रात्रि से ही पुलिस गश्त शुरू हो गयी थी, जो होली के दिन भी लगातार जारी रही। जिससे शहर में कहीं भी अराजक स्थिति निर्मित नहीं हो पाई।

बहन ने भाई को तिलक लगाकर मांगी दुआ

रविवार को भाई दूज पर्व पर बहनो ने अपने भाई को तिलक मिठाई खिलाई एंव भाई की लबी उम्र व सुख समृद्धी की कामना की माना जाता है कि होली के दूसरे दिन पड़ने वाली दूज पर बहन अपने भाई को तिलक लगाकर उसकी सुखी व खुशहाल जीवन की कामना करती है तो वह पूरी होती है। इसी क्रम पर बहनो ने अपने भाई के लिये तिलक लगाकर दुआयें मांगी । माना जाता है कि भाई दूज के दिन भाई को तिलक लगाकर जो भी कामना की जाती है वह पूरी होती है उसके लिये प्रातरू काल मे गौ माता के गोबर से दूज बनाई जाती है उसके उपरांत उनकी पूजा की जाती है जिसमे पकवानों व मिष्ठानों का भोग लगाया जाता है।

संकीर्तन समाज ने मनाई होली

राधा रानी और कान्हा जी को गुलाल लगाकर संकीर्तन समाज सभी सदस्यों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया। मुकेश पटेल, कैलाश नेमा पं.सी.बी शर्मा सहित सभी गायक कलाकारों ने होली के गीत सुनाकर आयोजन में समा बांधा। कवि अशोक त्रिपाठी ने अपने हास्य से सभी का भरपूर मनोरंजन किया। वरिष्ठ जन परिषद द्वारा बरिया वाले हनुमान मंदिर मे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध कवियत्री सरिता कोहिनूर बालाघाट ओजस्वी कवि अशोक त्रिपाठी गीतकार नरेंद्र सराठे हास्य कवि विकास बैरागी गुरु पं.सी बी शर्मा और कुंजबिहारी यादव नरसिंहपुर ने अपने शानदार काव्य पाठ से आयोजन में रस रंगों की वर्षा की।वरिष्ठ जनो ने भी होली पर अपनी व्यंग्य विनोद पूर्ण अभिव्यक्ति सहित रसिया फागों की प्रस्तुति दी। अंत में सभी ने गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। उक्त मौके पर बड़ी संख्या में नगर के वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

लीनस वीरांगना क्लब का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

नरसिंहपुर

गत दिवस वीरांगना क्लब के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह जबलपुर से आईं शपथ अधिकारी मंगला सिंधई और सुनीता जाटव एरिया ऑफिसर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। रजनी सिंघई, नीता राय, प्रीति गोस्वामी, रेनु नौरिया, को ट्रेनिंग ट्रेनर की शपथ दिलाई गई। साथ ही रजनी राजोरिया कोषाध्यक्ष, उर्वशी पाठक सह कोषाध्यक्ष, पूनम धुर्वे सचिव, प्रीति राय सह सचिव, ममता नामदेव, पुष्पा साहू, ज्योत्सना राय उपाध्यक्ष, सविता महोबिया अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को भी शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पूजन कर, स्वागत गीत से हुई, जिसे वेदिका पाठक और महक धुर्वे ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि विवेक पांडे, नीरा बुधौलिया, और प्रवीणा गोस्वामी ने विचार व्यक्त किए। डॉक्टर प्रीति सिंघई और इति चांदोरकर ने कैंसर डे पर महिलाओं को कैंसर से बचाव और सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। मां से बेटी सवाई कार्यक्रम के तहत मंजूषा सेन-आशी सेन, विनीता जैन-अनुप्रिया जैन, रूपकला कटारे-सौम्या कटारे, पूनम जैन-मैत्री जैन, रंजना नायक-विनी नायक, मंजरी नेमा-वैष्णवी नेमा और सीमा स्थापक-देवांशी स्थापक, प्रीति गोस्वामी- शुभी गोस्वामी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूनम धुर्वे ने किया और आयोजन पूर्व एरिया ऑफिसर अर्चना राय एवं मल्टीपल डायरेक्टर रूपकला कटारे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। निवृत्तिमान अध्यक्ष पूनम जैन और वर्तमान अध्यक्ष सविता महोबिया ने विचार रखे। समारोह के अंत में होली मिलन का आयोजन हुआ, जिसमें सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल का तिलक लगाकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में विनीता चौरसिया, सरिता जाट, प्रीति सोनी, सोनम नामदेव सहित क्लब की सदस्याओं ने भागीदारी दी।

फौजी द्वारा बच्चियों व महिलाओं को दिया जायेगा आत्मरक्षा प्रशिक्षण

नरसिंहपुर

जिले में लगातार बढ़ रही मारपीट, गुंडागर्दी, दहशतगर्दी गैंगवार व दुष्कर्म जैसी घटनाओं से समाज में महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा को लेकर आमजन में एक चिंता की लहर व्याप्त हो गई है। हर व्यक्ती इस समस्या का समाधान अपने स्तर पर ढूंढ रहा है, और इसी के चलते आगे आई सशक्त नारी समाजसेवी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन की उपाध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता एवं एन.आर.एल.एम से संचालित लोकाधिकार केंद्र रेनू कुर्मी ने एक सराहनीय कदम उठाया और उन्होंने दो माह की छुट्टियों पर आए फौजी निलेश यादव गोटेगांव श्रीनगर निवासी से संपर्क कर उनसे श्रीमती स्नेहलता एवं रेनु कुर्मी ने मुलाकात की व महिलाओं एवं बच्चियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने हेतु साथ ही साथ अन्य सामाजिक जनसरोकार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के उपरांत फौजी निलेश यादव से आग्रह किया और उन्होंने श्रीमती स्नेहलता व रेनू कुर्मी के विशेष आग्रह करने पर महिलाओं को प्रशिक्षण देने हेतु सहमति जताई, वहीं श्रीमती स्नेहलता एवं रेनू कुर्मी ने जो भी माताएं व बहिनें इस आत्मरक्षा प्रशिक्षण को प्राप्त करना चाहती हैं वह निःशुल्क रोजाना शाम 4:30 बजे से 5:30 बजे तक नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेडियम ग्राउंड पहुंचकर फौजी निलेश यादव द्वारा दिए जा रहे आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण प्राप्त करने की है।

आरोपियों से जीआरपी पुलिस द्वारा चोरी की सामग्री व बाइक जब्त

नरसिंहपुर।

ट्रेन में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर जीआरपी पुलिस ने रेल यात्री की चुरायी सोने की अंगूठी व चैन के अलावा एक बाइक बरामद की है। जानकारी के मुताबिक 18 फरवरी 2025 को फरियादी अजय कुमार खरे निवासी इटारसी जिला नर्मदापुरम ट्रेन क्रमांक 11271 विंध्याचल एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान पत्नी का लेडिज हैण्डबैग चोरी हो गया था जिसमें मोबाईल, सोने की चैन, अंगूठी, एटीएम एवं अन्य कागजात रखे हुए थे। सूचना पर थाना जीआरपी गाडरवारा में धारा 305 (सी) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना प्रभारी जीआरपी गाडरवारा एल.पी. झारिया द्वारा गठित पुलिस टीम सउनि राकेश चौधरी, प्रआर विनय मिश्रा, आर रवि पुरोहित, आशीष सराठे, विजय शर्मा, मेताब बघेल ने संदेही सचिन कहार पिता लखन कहार निवासी ग्राम घूरपुर गाडरवारा जिला नरसिंहपुर एवं दिलीप कहार पिता तस्वर निवासी ग्राम घूरपुर गाडरवारा जिला नरसिंहपुर को धर दबोचा। मामले में चोरी गया मशरूका एक सोने की चैन एवं एक सोने की अंगूठी, एक मोटर सायकिल टीवीएस अपाची कंपनी की कुल कीमती 3,15,000 रूपये का मशरूका जप्त किया गया है। आरोपी सचिन कहार पूर्व में अवैध रूप यात्री ट्रेनों में खादय सामग्री बेचने का काम करता था।

धूमधाम से मनाया गया होली उत्सव

तेंदूखेड़ा। रंग उत्साह उमंग का प्रमुख त्यौहार होलिकोत्सव पर्व संपूर्ण क्षेत्र में हर्षोल्लास पूर्ण अंदाज में मनाया गया। होलिका दहन के उपरांत दूसरे दिन धुडैली पर लोगों ने एक दूसरे को गुलाल और रंग लगाया छोटे छोटे बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला। साथ ही नगर के शोकाकुल परिवारों में लोगों ने पहुंच कर गुलाल लगाई।

भाई की कलाई पर बांधी स्नेह की डोर

भाई दूज पर्व पर बहिनों द्वारा अपने अपने भाईयों की कलाई पर स्नेह की डोर बांधी आरती उतारी मुंह मीठा कराया गया। तथा प्रत्येक घर में दोज पूजन की गई।

कृषि उपज तैयार, लेकिन मंडी नहीं हुई शुरू

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा की अर्थव्यवस्था और बाजार पर अपना विशेष प्रभाव छोड़ रही कृषि उपज मंडी अपनी गतिविधियों को लेकर हमेशा से सुर्खियों में रही है। सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यहां पर यह बनीं हुई है कि अधिकांश क्षेत्रों में कृषि उपज कटकर बिकने के लिए कृषक यहां वहां ले जाने लगे हैं लेकिन कृषि उपज मंडी परिसर में अभी घोष विक्रय शुरू नहीं हो पाया है। चूंकि यह स्थिति आज की नहीं हमेशा से ही यहां पर ऐसा होता रहा है। क्षेत्र की कृषि उपज जब आधे से ज्यादा कृषक यहां वहां बिक जाती है तब फिर कहीं मंडी शुरू होती है वह भी कुछ दिनों के लिए।जरुरत मंद किसान अपनी जरुरतों के हिसाब से आनन फानन उपज आवश्यकता के हिसाब से जो भाव मिलता है उसी हिसाब से बेंच देता है। संपन्न किसान भाव मिलने या फिर बड़ी मंडियों या फिर लोकल के व्यापारियों को घर से ही उपज बेच देते हैं।

घर से बिकने लगी उपज

तेंदूखेड़ा क्षेत्र में कुछ किसान अपने घर से ही सीधे उपज बेंचने लगे हैं। चूंकि मंडी शुरू हुई नहीं कुछ व्यापारी अपने स्वयं के बाहन और कांटा ले जाकर घर से तौल करा लाते हैं।इनके साथ मंडी के कुछ कर्मचारियों की सांठगांठ चलती है जो कई वर्षों से यहां पर जमें बैठें हैं उनकी मिली भगत से ही यह खेल चलता है।प्रति बोरा के हिसाब से उनकी सेटिंग बनीं हुई है।जो सागर रायसेन जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों से लगे ग्रामों तक चलता है।

तेंदूखेड़ा का बाजार ठप्प

बाहर कृषि उपज बिकने का सबसे बड़ा प्रभाव तेंदूखेड़ा के बाजार और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान पर पड़ता है। बाहर कृषि उपज बिकने या घर जाकर सीधे उपज खरीदने के कारण किसान बाहर से ही खरीद दारी करके लौट आते हैं। स्थानीय व्यापारी हाथ पर हाथ रखकर बैठा रहता है और पड़ोसी क्षेत्र के बाजार गुलजार दिखते हैं।इसी कारण से अधिकांश व्यापारियों ने यहां से पलायन शुरू कर दिया है।

करोड़ों के काम किस लिये

कृषि उपज मंडी परिसर में करोड़ों रुपए के निर्माण कार्य होते रहते हैं। कुछ काम भी ना हो तो पुराने कामों को ही फिर से रिपेयरिंग जीर्णोद्धार के नाम पर करा लिए जाते हैं। उसमें इंजीनियर और मंडी कर्मियों और ठेकेदारों की सभी की बल्ले-बल्ले।जब मंडी में घोष विक्रय होना ही नहीं है तो निर्माण कार्य किस लिये।केवल भागवत कथा और क्रिकेट मैच या बाहरी लोगों को ठहरने के लिए पनाहगाह स्थल ही बनाकर रखा है। जहां रात्रि के समय जाम झलकने के साथ एकांत में मौका का अवसर पाकर अनैतिक गतिविधियां संचालित हुआ करतीं है।मंडी की इन गतिविधियों को लेकर नीचे से लेकर ऊपर तक बैठे सभी आला अधिकारियों से लेकर हर जनप्रतिनिधियों के लिए यहां की हर गतिविधि की जानकारी है फिर भी मंडी का नियमित घोष विक्रय शुरू ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है।

पुराने कर्मियों को बदलने से सुधरेगी व्यवस्था

तेंदूखेड़ा की कृषि उपज मंडी को ना चलने के पीछे यहां पर दशकों से जमें बैठें मंडी के कर्मचारी ही है।जो तेंदूखेड़ा मदनपुर बिलगुवां डोभी काचरकोना खमरिया बीकोर राजमार्ग हीरापुर भामा तक धावा बोलकर रातों रात बगैर लायसेंस धारी व्यापारियों से वसूली किया करते हैं। गाडरवारा सड़क मार्ग पर कुछ

व्यापारी मंडी कर्मियों की मिलीभगत से वेखोप होकर उपज खरीदा करते हैं। कुछ लाइसेंस धारी व्यापारियों को ही मंडी प्रशासन टारगेट बनाता चला आ रहा है। और हर खर्चे और कार्यवाही में उन्हें ही इस्तेमाल किया जाता है बाकी सब मजा मारते हैं। उसके पीछे सुविधा शुल्क चलता है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के विभिन्न वर्गों के व्यापारियों ने एक बार फिर से जिले के कलेक्टर एवं तेंदूखेड़ा कृषि उपज मंडी के भार साधक अधिकारी से मांग की है कि कृषि उपज मंडी को हर परिस्थिति में शुरू कराया जाये।मंडी क्षेत्र के अंतर्गत जितने भी व्यापारी अधिकृत हैं उन्हें मंडी परिसर में ही घोष विक्रय के माध्यम से ही उपज खरीदने विवश किया जाये तथा मंडी क्षेत्र में जितने भी व्यापारी वर्ग अनाधिकृत रूप से उपज खरीदते पाये जाते हैं तो उन पर निष्पक्ष भाव से कार्यवाही की जानी चाहिए।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन निक्षय शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने के लिए 100 दिवसीय निक्षय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान जिले में 25 मार्च तक चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य टीबी उन्मूलन के प्रयासों को और अधिक गति देना और जन जागरूकता को बढ़ावा देना है। जिले में 100 दिनों में लोगों की टीबी की व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग, जांच, उपचार और जन जागरूकता को सुनिश्चित किया जा रहा है। निक्षय शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग नरसिंहपुर द्वारा लोगों को टीबी के बारे में जागरूक किया जा रहा है। टीबी से कैसे बचा जाये एवं टीबी के क्या लक्षण है, इसकी जानकारी भी शिविर के दौरान दी जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को चलने में सांस भरना, लगातार खांसी आना, भूख नहीं लगना, वजन कम होना, रात को पसीना आना जैसे टीबी के सामान्य लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए निःशुल्क एक्स- रे करवायें। अगर मरीज टीबी पॉजिटिव आता है, तो उसको 6 माह तक दवाई लेना होती है, दवाई में किसी भी दिन का कोई गैप नहीं होना चाहिये। टीबी का मरीज दवाई लेने पर ठीक हो जाता है। टीबी कोई घातक बीमारी नहीं है। अगर जांच में मालूम पड़ जाता है कि किसी व्यक्ति को टीबी है, तो दवाई जरूर लेना चाहिये। दवाई का नियमित उपयोग करने से व्यक्ति पूर्ण स्वस्थ हो जाता है।